विद्या सर्वार्थि साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा-2

कक्षा : बारहवीं

विषय : हिंदी (302) अधिकतम अंक : 80

दिनांक : 29-09-2023 निर्धारित समय : 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है - 'अ', और 'ब'
2. खंड 'अ' में कुल छह बहुविकल्पीय प्रश्न (उप प्रश्नों सहित) हैं और खंड 'ब' में दस वर्णनात्मक (उप प्रश्नों सहित) प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:- (1x10=10)

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है। मानव समाज में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं। ऐसे में यह अधिक आवश्यक हो गया है कि लोग एक-दूसरे को जानें; उनकी आवश्यकताओं एवं उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें; उन्हें वरीयता दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें। भारत जैसे देश में यह और भी अधिक आवश्यक है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है। स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में वे अपने समय से बहुत आगे थे। उन्होंने धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखकर ही आध्यात्मिक चिंतन किया था। उन्होंने यह विद्रोही बयान दिया कि इस देश के तैंतीस करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की तरह मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मों-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए। वे विभिन्न संप्रदायों की अनेकरूपता को उचित और स्वाभाविक मानते थे। स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे। वे कहा करते थे-"यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक-सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें, तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी, क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा।" स्वामी विवेकानंद हिंदू धर्म में सुधार लाना चाहते थे और हिंदुओं में गर्व और आत्मविश्वास का भाव उत्पन्न करना चाहते थे। हिंदू धर्म एक ओर रूढ़िवादिता और दूसरी ओर अंग्रेजों द्वारा देश पर पश्चिमी विचार थोपे जाने से पीड़ित था। विवेकानंद का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने औपनिवेशिक शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष को आध्यात्मिक आधार दिया और नैतिक व सामाजिक दृष्टि से हिंदू

समाज में उत्थान के लिए काम किया।

(i) 'टापू की तरह' जीने से लेखक का क्या आशय है?

(क) घमंड में रहना (ख) समाज से अलग रहना

(ग) समाज से जुड़कर रहना (घ) विनम्र बनकर रहना

(ii) भारत जैसे देश में एक-दूसरे से मिलकर रहना आवश्यक क्यों है?

(क) समाज से अलग रहकर जीना संभव न होने के कारण

(ख) विभिन्न धर्म, मतों व विचारधारा के लोग होने के कारण

(ग) हिंदू धर्म को अधिक महत्त्व देने के कारण

(घ) आध्यात्मिक जीवन मूल्यों की महत्ता के कारण

(iii) विभिन्न पंथों और मत-मतांतरों के लोग मिलकर नहीं रहेंगे तो उसका क्या परिणाम होगा?

(क) समाज में शांति स्थापित होगी

(ख) धार्मिक संस्थानों में विवाद नहीं होगा

(ग) सभी का जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा

(घ) सभी का जीवन सुखमय हो जाएगा

(iv) गद्यांश के अनुसार स्वामी विवेकानंद किस बात को भली-भाँति समझते थे?

(क) भारत देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है

(ख) भारत में विभिन्न धर्मो, संप्रदायों के बीच संवाद नहीं होना चाहिए

(ग) भारत में सभी धर्मों को स्थान देना उचित नहीं है

(घ) भारत में धार्मिक अनुष्ठानों को महत्त्व नहीं देना चाहिए

(v) विवेकानंद जी द्वारा दिए गए बयान का आधार क्या था?

(क) समाज में अशांति फैलाना

(ख) हिंदू धर्म का विरोध करना

(ग) धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखना

(घ) समाज में व्याप्त रुढ़ियों समाप्त करना

(vi) विभिन्न धर्म संप्रदायों के बीच संवाद होने से समाज को क्या लाभ होगा?

(क) विवादों का अंत करने के लिए रास्ता मिलेगा

(ख) विभिन्न संप्रदायों की अनेकरूपता से सभी धार्मिक आस्थाओं के लोगों के विचारों का पता चलेगा

(ग) विभिन्न धार्मिक संस्थाओं व उनके मतों का भेद पता चलेगा

(घ) सभी विवादों की जड़ का पता चलेगा

(vii) स्वामी विवेकानंद ने सभी लोगों द्वारा एक ही धर्म, मत, पूजा-पद्धति को अपनाने को दुर्भाग्यपूर्ण क्यों माना है?

(क) क्योंकि इससे धार्मिक विकास नहीं होगा

(ख) क्योंकि इससे आध्यात्मिक विकास रुक जाएगा

(ग) क्योकि इससे सांस्कृतिक जड़े कमजोर हो जाएँगी

(घ) उपरोक्त सभी

(viii) विवेकानंद जी द्वारा मंदिरों से मूर्ति हटाने का विद्रोही बयान क्यों दिया गया?

(क) धार्मिक क्रियाकलापों पर रोक लगाने के कारण

(ख) भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को मंदिरों में स्थापित करने के कारण

(ग) शोषित वर्ग का विरोध करने के कारण

(घ) आध्यात्मिक चिंतन को बढ़ावा देने के कारण

(ix) गद्यांश में किसकी आवश्यकताओं तथा इच्छाओं का सम्मान करने की बात कही गई है?

(क) विवेकानंद जी की

(ख) विभिन्न मतों को मानने वाले लोगों की

(ग) उच्च वर्ग के लोगों की

(घ) निम्न वर्ग के लोगों की

(x) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है?

(क) सांप्रदायिक सद्भाव को समाप्त कर नए समाज का निर्माण करना

(ख) भारत की अनेकता में एकता की विशेषता को बनाए रखना

(ग) उच्च वर्ग को समाप्त करने हेतु विद्रोह करना

(घ) विवेकानंद जी को विश्व विजय के रूप में अपनाना

अथवा

पश्चिम की प्रौद्योगिकी और पूर्व की धर्मचेतना का सर्वश्रेष्ठ लेकर ही नई मानव संस्कृति का निर्माण संभव है। पश्चिम नया धर्म चाहता है, पूर्व नया ज्ञान। दोनों की अपनी-अपनी आवश्यकता है। वहाँ यंत्र है, मंत्र नहीं। यहाँ मंत्र है, यंत्र नहीं। वहाँ भौतिक संपन्नता है, यहाँ आध्यात्मिक संपन्नता है। पश्चिम के आध्यात्मिक दैन्य को दूर करने में पूर्व की मैत्री, करुणा और अहिंसा के संदेश महत्त्वपूर्ण होंगे, तो पूर्व के भौतिक दैन्य को पश्चिम की प्रौद्योगिकी दूर करेगी। पूर्व-पश्चिम के मिलन से ही मनुष्य की देह और आत्मा को एक साथ चरितार्थता मिलेगी। इससे प्रौद्योगिकी जड़ता के बंधनों से मुक्त होगी और पूर्व का अध्यात्मवाद, परलोकवाद तथा निष्क्रियतावाद से छुटकारा पाएगा। भाग्यवाद को प्रौद्योगिकी को सौंपकर हम मनुष्य की कर्मण्यता को चरितार्थ करेंगे और इस धरती के जीवन को स्वर्णीयम बनाएँगे। जीवन से भाग करके नहीं, उसके भीतर से ही हमें लोकमंगल की साधना करनी होगी। विरक्ति-मूलक आध्यात्मिकता का स्थान लोकमांगलिक आध्यात्मिकता लेगी। यह आध्यात्मिकता लोकमंगल और लोकसेवा से ही चरितार्थता पाएगी। मनुष्य-मात्र के दु:ख, उत्पीड़न और अभाव के प्रति संवेदित और क्रियाशील होकर ही हम अपनी आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत और सार्थक बना सकेंगे। ज्ञान को शक्ति में नहीं, परमार्थ तथा उत्सर्ग में ढालकर ही हम मानवता को उजागर करेंगे। प्रकृति से हमने जो कुछ पाया है, उसे हम बलात् छीनी हुई वस्तु क्यों मानें? क्यों न हम यह स्वीकार करें कि प्रकृति ने अपने अक्षय भंडार को मानव-मात्र के लिए अनावृत्त कर रखा है? प्रकृति के प्रति प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा का भाव क्यों रखा जाए? वस्तुतः प्रकृति के प्रति सहयोगी, कृतज्ञ तथा सदाशय होकर ही मनुष्य अपनी भीतरी प्रकृति को राग-द्वेष से मुक्त करता है और स्पर्धा को प्रेम में बदलता है। आज आण्विक प्रौद्योगिकी को मानव कल्याण का साधन बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। यह तभी

संभव है जब मनुष्य की बौद्धिकता के साथ-साथ उसकी रागात्मकता का विकास हो। रवीन्द्र और गाँधी का यही संदेश है। 'कामायनी' के रचयिता जयशंकर प्रसाद ने श्रद्धा और इड़ा के समन्वय पर बल दिया है। मानवता की रक्षा और उसके विकास के लिए पूर्व-पश्चिम का सम्मिलन आवश्यक है। तभी कवि पंत का यह कथन चरितार्थ हो सकेगा-"मानव तुम सबसे सुंदरतम्।"

(i) पूर्व और पश्चिम के मिलन को आवश्यक क्यों माना गया है?
   (क) मानवता की रक्षा के कारण
   (ख) मानवता के विकास के कारण
   (ग) नई मानव संस्कृति के निर्माण के कारण
   (घ) ये सभी

(ii) पूर्व की भौतिक दीनता को दूर करने का क्या उपाय बताया गया है?
   (क) अपनी कमियों को पहचान कर स्वयं प्रयास करना
   (ख) पौराणिक मान्यताओं में विश्वास कर आगे बढ़ना
   (ग) पश्चिम की प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर करना
   (घ) नवीन व आधुनिक सोच-विचार को अपनाना

(iii) पूर्व और पश्चिम के मिलन से मनुष्य को क्या प्राप्त होगा?
   (क) मनुष्य की देह और आत्मा को एकसाथ चरितार्थता मिलेगी
   (ख) मनुष्य के जीवन की सभी समस्याओं का समाधान होगा
   (ग) मनुष्य को आध्यात्मिक कष्टों से छुटकारा मिलेगा
   (घ) लोक कल्याण की भावना का विस्तार होगा

(iv) लोकमंगल की साधना द्वारा क्या किया जाना संभव है?
   (क) धरती के जीवन को स्वर्णीयम बनाना
   (ख) आध्यात्मिक तथा धार्मिक प्रगति करना
   (ग) केवल मनुष्य का विकास करना
   (घ) प्रतिस्पर्धा की भावना को कम करना

(v) मनुष्य के दुःख, उत्पीड़न और अभाव के प्रति संवेदनशील होने का क्या परिणाम होगा?
   (क) मानवता के धर्म का पालन हो सकेगा
   (ख) आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत तथा सार्थक बना सकेंगे
   (ग) भाग्यवाद में विश्वास बढ़ता जाएगा
   (घ) प्रकृति के प्रति आदर्श दृष्टिकोण विकसित होगा

(vi) मनुष्य अपनी भीतरी प्रकृति को राग-द्वेष से मुक्त कैसे रख सकता है?
   (क) प्रकृति के प्रति प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा रखकर
   (ख) प्रकृति के प्रति सहयोग, कृतज्ञ तथा सदाशय का भाव रखकर
   (ग) प्रकृति के भंडार पर अधिकार स्थापित करके
   (घ) लोकमंगल की कामना पर ज्यादा ध्यान न देकर

(vii) प्रस्तुत गद्यांश के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

(क) पश्चिम संस्कृति पूर्व की अपेक्षा अधिक समृद्ध है

(ख) मनुष्य को केवल भौतिक उन्नति करनी चाहिए

(ग) प्रकृति ने अपने अक्षय भंडार को मानव-मात्र के लिए खोल रखा है

(घ) मनुष्य आध्यात्मिकता को केवल धर्म के प्रसार के लिए अपनाता है

(viii) आण्विक प्रौद्योगिक मानव कल्याण का साधन कैसे बन सकेगी?

(क) जब मनुष्य की बौद्धिकता के साथ उसकी रागात्मकता का विकास होगा

(ख) जब मनुष्य प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करेगा

(ग) जब मनुष्य समाज के प्राणियों के प्रति संवेदनशील होगा

(घ) जब मनुष्य, मनुष्य का भेदभाव भूलकर एक समान हो जाएगा

(ix) मैत्री, करुणा और अहिंसा को अपनाने से किसके दूर होने की संभावना है?

(क) पूर्व के आध्यात्मवाद की विपन्नता के

(ख) पश्चिमी भौतिकवाद की विपन्नता के

(ग) पश्चिमी आध्यात्मवाद की विपन्नता के

(घ) पूर्व के भौतिकवाद के दैन्य के

(x) आध्यात्मिकता के संदर्भ में कौन-सा कथन असत्य है?

(क) पश्चिम में आध्यात्मिक विपन्नता नहीं है

(ख) आध्यात्मिकता लोकमंगल और लोक सेवा से ही चरितार्थता पाएगी

(ग) हम अपनी आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत और सार्थक बना सकने में समर्थ हैं

(घ) आध्यात्मिकता ज्ञान से जुड़ी हुई है

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1x5=5)

प्रभु ने तुमको कर दान किये
सब वांछित वस्तु विधान किये
तुम प्राप्त करो उनको न अहो
फिर है किसका वह दोष कहो?
समझो ना अलभ्य किसी धर्म को
नर हो ना निराश करो मन को
किस गौरव के तुम योग्य नहीं
कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं
जन हो तुम भी जगदीश्वर के
सब है जिसके अपने घट के
फिर दुर्लभ क्या उसके मन को?
नर हो, ना निराश करो मन को
करके विधि-वाद ना भेद करो
निज लक्ष्य निरंतर भेद करो

बनता बस उद्यम ही विधि है
मिलती जिससे सुख की निधि है
समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को
नर हो ना निराश करो मन को।

(i) प्रभु ने मनुष्यों को क्या दान में दिया है?
(क) हाथ (ख) धन (ग) सफल जीवन (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ii) वांछित वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने में किसका दोष है?
(क) परिश्रमी मनुष्य का (ख) आधुनिकता वादी प्रवृत्ति का
(ग) कर्म व श्रम ना करने वाले मनुष्य का (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iii) विधि वाद का खेद कौन व्यक्त करते हैं?
(क) परिश्रम करने वाले (ख) भाग्यवादी मनुष्य
(ग) कर्म निश्ड एवं साहसी (घ) उदार चित वाले

(iv) काव्यांश में क्या प्रेरणा दी गई है ?
(क) निराश ना होने की (ख) लक्ष्य प्राप्ति का उचित प्रयास करने की
(ग) कर्म निष्ठा एवं साहसी बनने की (घ) उपरोक्त सभी

(v) कवि किस प्रकार के जीवन को धिक्कार योग्य मानता है?
(क) उद्यम पूर्ण जीवन (ख) सुख भोग पूर्ण जीवन
(ग) खेद पूर्ण जीवन (घ) निष्क्रिय जीवन

3. निम्नलिखित प्रश्नों का ध्यान से पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:- (1x5=5)

(i) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि
(क) इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है
(ख) इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जाती हैं
(ग) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है
(घ) ये सभी

(ii) टेलीविजन की भाषा हेतु क्या सही नहीं है?
(क) वाक्य छोटे, सीधे एवं स्पष्ट हो
(ख) एक वाक्य में एक ही बात कहने का धैर्य हो
(ग) विशेषणों का प्रयोग हो
(घ) मुहावरों का यथासंभव प्रयोग हो

(iii) समाचार का प्रवेश द्वार किसे माना जाता है?
(क) इंट्रो (ख) बॉडी (ग) शीर्षक (घ) समापन

(iv) स्ट्रिगर किसे कहते हैं?
(क) निश्चित मानदेय के आधार पर काम करने वाले अंशकालिक पत्रकार
(ख) नियमित वेतनभोगी पत्रकार
(ग) स्वतंत्र रूप से काम करने वाले पत्रकार
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(v) फ़ीचर लेखन के लिए किसकी आवश्यकता होती है?

(क) कल्पनाशक्ति की (ख) अनुभूति की (ग) अवलोकन की (घ) ये सभी

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए - (1x5=5)

एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा)
बस कर
नहीं हुआ रहने दो
पर्दे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएँगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद।

(i) 'अब मुसकुराएँगे हम' इस पंक्ति में 'हम' कौन हैं?

(क) दूरदर्शन वाले (ख) अपाहिज (ग) दर्शक (घ) कवि

(ii) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी किस की कविता है ?

(क) दया की (ख) परोपकार की (ग) वात्सल्य की (घ) क्रूरता की

(iii) कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में कैमरा एक साथ क्या दिखाना चाहता है ?

(क) सामान्य व्यक्ति की दुर्दशा और खुशी (ख) समाचार और खेल

(ग) दर्शक और अपाहिज रोते (घ) नए और पुराने कार्यक्रम

(iv) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में समर्थ शक्तिवान' किसे कहा जाता है ?

(क) कैमरामैन को (ख) अपाहिज को (ग) दर्शकों को (घ) दूरदर्शन वालों को

(v) अपाहिज के होठों पर क्या दिखाई देता है ?

(क) उलझन (ख) कसमसाहट (ग) पीड़ा (घ) मुस्कान

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:- (1x5=5)

लेकिन इस बार मैंने साफ़ इंकार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भरकर पानी इस गंदी मेढक-मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भरकर पानी ले गईं-उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे भी तमतमाई, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आकर मेरा सर

अपनी गोद में लेकर बोलीं, 'देख भइया, रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे?" मैं कुछ नहीं बोला। फिर जीजी बोली, "तू इसे पानी की बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है। यह पानी का अर्घ्य चढ़ाते हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे? इसीलिए ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है।"

(i) लेखक ने किस कार्य से इनकार किया तथा क्यों ?

(क) गली में बाल्टी भर पानी डालने से साफ़ इनकार कर दिया |

(ख) चलते राहगीरों पर बाल्टी भर पानी डालने से साफ़ इनकार कर दिया |

(ग) मेढ़क-मंडली पर बाल्टी भर पानी डालने से साफ़ इनकार कर दिया |

(घ) होली पर लोगों के ऊपर बाल्टी भर पानी डालने से साफ़ इनकार कर दिया |

(ii) पानी डालते समय जीजी की क्या हालत थी?

(क) जवान पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे|

(ख) बूढे पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे |

(ग) लड़कपन पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे |

(घ) प्रौढ़ावस्था के पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे |

(iii) जीजी ने नाराज लेखक से क्या कहा ?

(क) यह अंधविश्वास नहीं है। (ख) यह खेलवाड़ नहीं है।

(ग) यह मज़ाक नहीं है। (घ) यह आस्था नहीं है।

(iv) जीजी ने दान के पक्ष में क्या तर्क दिए ?

(क) यदि हम मेघ सेना को पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देगा।

(ख) यदि हम कृष्ण सेना को पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देगा।

(ग) यदि हम बानरी सेना को पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देगा।

(घ) यदि हम इंदर सेना को पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देगा।

(v) पाठ के लेखक हैं -

(क) धर्मवीर भारती (ख) भगवती शरण वर्मा (ग) नागार्जुन (घ) अज्ञेय

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:- (1x5=5)

(i) लेखक का दादा जल्दी कोल्हू क्यों चलाता था ?

(क) जल्दी काम खत्म करने के लिए (ख) अधिक पैसे के लिए

(ग) अपनी आवारागर्दी के लिए (घ) आराम करने के लिए

(ii) लेखक की कक्षा के मॉनीटर का नाम क्या था ?

(क) वसंत पाटील (ख) चव्हाण पाटील (ग) मनोहर पाटील (घ) राव पाटील

(iii) कहानी के शीर्षक 'जूझ' का अर्थ है-

(क) संघर्ष (ख) चालाकी (ग) मेहनत (घ) कठिनाई

(iv) 'जूझ' पाठ के रचयिता का नाम है-

(क) फणीश्वर नाथ रेणु (ख) आनंद यादव

(ग) धर्मवीर भारती (घ) मनोहर श्याम जोशी

(v) पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की ?

(क) दादा से (ख) माँ से (ग) दत्ता जी राव से (घ) सौंदलगेकर से

<u>खंड - 'ब'</u>

7. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 200-300 शब्दों में लेख (आलेख) लिखिए- (1x6=6)

(i) 'अक्ल बड़ी या भैंस'

(ii) इम्तिहान की दिन

(iii) एक कामकाज़ी औरत की शाम

8. अपने मोहल्ले में टूटी हुई सड़क को बनवाने केलिए प्रशासक, नगर निगम, अहमदाबाद को एक सारगर्भित पत्र लिखिए | (1x5=5)

अथवा

आकाशवाणी वाराणसी के केंद्रनिदेशक को पत्र लिखकर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कार्यक्रमों के प्रसारण की आवश्यकता को 120 शब्दों में रेखांकित कीजिए |

9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1x4=4)

(i) डायरी लेखन का क्या उद्देश्य है ? सोदाहरण लिखिए |

(ii) पटकथा लेखन की प्रक्रिया को तर्क सहित विवेचन करें |

(iii) कथा लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

(iv) भारत में संपादकीय को क्या कहा जाता है?

10. कल्पना कीजिए कि आपने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना अध्ययन पूरा कर लिया है और किसी प्रसिद्ध अखबार में पत्रकार पद के लिए आवेदन भेजना है। इसके लिए एक आवेवन-पत्र लिखिए। (3x1=3)

11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) पतंग' कविता में चित्रित यादों के बीत जाने के बाद के प्राकृतिक परिवर्तनों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ii) बात सीधी थी पर कविता में कवि क्या कहता है? अथवा कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(iii) कविता के बहाने' कविता का प्रतिपाद्य बताइए ?

12. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए - (2x2=4)

(i) बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को बेचैन' क्यों कहा गया है? 'पतंग' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ii) ज़ोर ज़बरदस्ती करने पर 'बात' के साथ क्या हुआ ? कविता के बहाने के आधार पर लिखिए |

(iii) 'कविता के बहाने' की विशेषताएँ बताइए |

13. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) 'पहलवान की ढोलक' कहानी के संदेश को स्पष्ट कीजिए।

(ii) प्रकृति के माध्यम से आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लालित्य दिखाने का सफल प्रयास किया है, 'शिरीष के फूल' शीर्षक निबंध के आधार पर सिद्ध करें।

(iii) डॉ० आंबेडकर के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए- गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। क्या आज भी यह स्थिति विद्यमान है।

14. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए - (2x2=4)

(i) लोकतंत्र से लेखक को क्या अभिप्राय है ?

(ii) हजारी प्रसाद विवेदी ने शिरीष के संदर्भ में महात्मा गांधी का स्मरण क्यों किया है? साम्य निरूपित कीजिए।

(iii) बारिश के लिए किए गए प्रयत्न किस कोटि के हैं ?

15. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में लिखिए - (2x2=4)

(i) जूझ कहनी का संदेश लिखिए |

(ii) दत्ता जी राव ने लेखक की पढाई काँ समस्या का समाधान किस प्रकार किया?

(iii) सिंधु घाटी की सभ्यता कैसी थी? तर्क सहित उत्तर दें।

16. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किन्हीं एक प्रश्न के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x1=3)

(i) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(ii) 'जूझ' कहानी के माध्यम से लेखक ने क्या सीख दी है ?